Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• फरवरी २०१८ • वर्ष ६९ • अंक ०२

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

बिहार सम्मेलन का ३०वाँ अधिवेशन : मंथन २०१८

निर्वाचित अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी (दायें) को पदभार देते प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल झुनझुनवाला।

२६ जनवरी २०१८ : सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय भवन 'डकबैक हाउस' के समक्ष झंडोत्तोलन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला, साथ में परिलक्षित हैं पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा एवं श्री रामअवतार पोद्दार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं अन्य।

२१ जनवरी २०१८ : सम्मेलन की वाराणसी शाखा की योजना सहयोग-धारा का लोकार्पण करते सांसद श्री विवेक गुप्त।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - मद्यपान निषेध कार्यक्रम में सबकी भागीदारी जरूरी
- सम्पादकीय - संस्कार-संरक्षण अनिवार्य
- होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण
- बिहार सम्मेलन का प्रादेशिक अधिवेशन
- देश में प्रगति के निरर्थक मापदण्ड

१२ फरवरी २०१८ : सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में पदाधिकारी-सदस्यगण।

A CLASS APART
Bigboss
J-CLASS
Egyptian Cotton Innerwear
FROM THE HOUSE OF
Dollar
| www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

समाज विकास

◆ फरवरी २०१८ ◆ वर्ष ६९ ◆ अंक ०२
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** संस्कार-संरक्षण अनिवार्य	३
● **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** मद्यपान निषेध अभियान में सबकी भागीदारी हो	५
● **केन्द्रीय/प्रान्तीय समाचार**	९-१३
● **होली में उपाधियों का वितरण**	१४-१५
● रपट : वाराणसी सम्मेलन - सहयोग धारा	१७
● **आलेख : शिव कुमार लोहिया** देश में प्रगति के निरर्थक मापदंड	१८-१९
● माँ शारदा प्रार्थना : **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया**	२०
● कविता : **प्रेमलता खंडेलवाल**	२०
● समाचार-सार	२३
● नए सदस्यों का स्वागत	२४-२६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

संपादक : संतोष सराफ ◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा
सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

संस्कार-संरक्षण अनिवार्य

– सन्तोष सराफ

वर्तमान में देश की राजनैतिक व्यवस्था हो या समाज-व्यवस्था, दोनों ही एक उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। एक तरफ सरकार अपनी व्यवस्था में पारदर्शिता लाने का प्रयास कर रही है, साथ ही वैश्विक अव्यवस्था के साथ तालमेल बैठाने को तत्पर है। दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट म्प 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा दे रहे हैं। हमारे देश में 65% युवा हैं। देश मे व्यापार करने की शैली मे बदलाव आ रहा है। हमारे अपनी भाषाओं की जगह पूरे देश मे अंग्रेजी विकास की भाषा मानी जाती है। नैतिकता के मापदंडों में बदलाव हो रहा है। मद्यपान धीरे-धीरे घर-घर में प्रचलित हो रहा है। महिलायें इसमें आगे आ रही है। प्राचीन संस्कार एवं सांस्कृतिक मूल्यों की अवनति हो रही है। हम एक स्वछंद समाज की ओर आगे बढ़ रहे हैं। हम अपनी जमीन, अपनी संस्कृति, अपनी भाषा से कट गए हैं। हमारे जीवन का लक्ष्य अब धनोपार्जन ही रह गया है। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी यही लक्ष्य लेकर विद्यार्थी आगे बढ़ रहे हैं। संयम एवं नियम-पालन अब दकियानूसी होते जा रहे हैं। शहर के साथ गाँव भी इस बदलाव में शामिल हैं। खास बात यह है कि बदलाव की रफ्तार अत्यधिक तेज है। बैलगाड़ी की जगह यह बदलाव वायुयान में सफर कर रही है। यह बदलाव कितना प्रगतिशील है, यह तो समय ही बताएगा, किन्तु यह बात तय है कि बदलाव के कारण समाज मे कि विसंगतियाँ पैदा हो रही हैं। मानवीय गुणों से मानव रहित होता जा रहा है। संवेदनाओं का लोप हो रहा है। भावना शून्य होते हुए मानव एक मशीन में तब्दील हो रहा है। सफलता की अंधी दौड़ मे तनाव की सृष्टि होती है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं दिल की बीमारी महामारी का रूप ले रही है। चिकित्सक भी इसे स्वीकार करते हैं। इसे रोकने की बजाय, नये-नये अस्पताल बनाकर हम स्वास्थ्य चिकित्सा को व्यापार का रूप दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि आनेवाले समय में चिकित्सा सेवा ही देश का सबसे वड़ा व्यापार बन जायगा। पहले विवाह होते थे, तो अनेक खामियों के वावजूद उसे निभाने की लगी रहती थी। अब तो सहनशीलता, सहजता, नम्रता एवं संयुक्त परिवार के अभाव में समाज में व्यापक रूप से तनाव फैल रहा है। दाम्पत्य जीवन अब संस्कार न होकर एक कानूनी अनुबंध बन गया है, जिसे जब जी चाहे तोड़ा जा सकता है। माँ-बाप के प्रति उनके संतानो का दायित्व बताने के लिए अव न्यायालयों को आदेश देना पड़ रहा है। बच्चे तक इस तनाव एवं हिंसा से अछूते नहीं रह गये हैं। समाज में यह सब नये रूप से हो रहा है। मैं सभी पाठकों से अनुरोध करूँगा कि इस विषय में अपनी राय से अवगत करवायें।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

अध्यक्षीय

'मद्यपान निषेध' अभियान में सबकी भागीदारी जरूरी

– प्रह्लाद राय अगरवाला

सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों को होली की हार्दिक बधाइयाँ और राम-राम! प्रेम-मिलनसारिता का यह पावन पर्व आपके एवं आपके निकटस्थों के लिए स्वास्थ्य, समृद्धि एवं प्रसन्नता की सौगात लेकर आये, ऐसी परम पिता से प्रार्थना है!

जैसा आप जानते हैं, सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की राँची में आयोजित बैठक में वैवाहिक समारोहों में मद्यपान के बढ़ते प्रचलन पर नियंत्रण हेतु सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था। प्रस्ताव पारित होने के बाद से ही केन्द्रीय सम्मेलन विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार कर समाजबंधुओं, विशेषकर युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों को इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। यह सर्वमान्य है कि मद्यपान हमारे स्वस्थ, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन के लिए हानिप्रद है। वैवाहिक समारोहों में एक धार्मिक पहलू भी अति महत्वपूर्ण है। इन पुनीत अवसरों पर हम अपने देवताओं-पितरों को आमंत्रित करते हैं और इन समारोहों में मद्यपान करना उनका भी अपमान है।

जैसा कि आपको समाज विकास में प्रकाशित रपटों और अन्य माध्यमों से भी पता चलता होगा, सम्मेलन के इस कार्यक्रम पर समाज की प्रतिक्रिया सकारात्मक है और समाज के हर वर्ग के लोग इसका समर्थन कर रहे हैं। **महात्मा गांधी ने कहा था, "राजनैतिक परिवर्तन आसान है लेकिन सामाजिक परिवर्तन एक जटिल कार्य है।"** समाज सुधार के कार्यक्रमों की सफलता में समय लगता है और समाज के हर तबके को साथ आना पड़ता है। **खुशी की बात है कि सम्मेलन का वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध का नारा जोर पकड़ रहा है और काफी लोग इसको अपना रहे हैं। अपनी सभी प्रादेशिक एवं आगे तक की शाखाएँ इस पर सक्रियता से काम करेंगी तो परिणाम और ज्यादा भी आयेंगे और जल्दी भी।**

गत महीनों समाज के वरिष्ठ लोगों को साथ लेकर मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत का गठन एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। महापंचायत के गठन से समाज सुधार के प्रयासों को और गति मिलेगी। यह और भी खुशी की बात है कि गत ५ फरवरी २०१८ को आयोजित बैठक में महापंचायत ने दाम्पत्य-विवादों में भी मध्यस्थता का निर्णय लिया। **दाम्पत्य संबंधों में कटुता और परिणामस्वरूप 'चट विवाह - पट तलाक' की समस्या आज समाज के सामने सुरसा की तरह मुँह बाये खड़ी है। वर्तमान परिस्थितियों मे यह आवश्यक है कि इस प्रवृति पर अंकुश लगाया जाये। दोनों पक्षों के परस्पर विचार-विमर्श और सामंजस्य से बड़ी से बड़ी समस्या का हल निकाला जा सकता है। साथ में अगर समाज का भी साथ हो, तो क्या कहना!**

केन्द्रीय स्तर पर, महापंचायत विचार-विमर्श कर अपनी कार्यप्रणाली और प्रक्रिया तय करेगी। इसी प्रकार सम्मेलन की सभी प्रादेशिक शाखाओं और आगे के स्तर पर भी पंचायती व्यवस्था लाने का प्रयास समाजहित में होगा। इस विषय पर सभी प्रादेशिक शाखाओं को पत्र लिखा गया है और आशा है कि वे अपने स्तर पर समुचित कदम उठा रहे होंगे।

जैसा आप जानते हैं, भारत के वित्तमंत्री श्री अरुण जेटली ने इसी माह आगामी वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के लिए बजट प्रस्तुत किया। गत कुछ तिमाहियों में विकास दर में गिरावट, चुनौतीपूर्ण वित्तीय स्थिति और कृषि क्षेत्र की निराशाजनक अवस्था के साथ-साथ, यह बजट वर्तमान सरकार का पाँचवाँ और लोकसभा चुनाव २०१९ के पूर्व का आखिरी सम्पूर्ण बजट है। साथ ही, आगामी महीनों में आठ राज्यों में विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। ऐसे में, अपेक्षानुसार, सरकार ने किसानों एवं संसाधनहीन वर्गों के लिए बजट में कुछ कदम उठाये, यथा – फसलों का न्यूनतम सहयोग मूल्य उत्पादन की लागत से डेढ़ गुना देने का प्रस्ताव, कृषि-बाजारों में भारी निवेश, ४ करोड़ घरों में निःशुल्क बिजली पहुँचाने की बात, उज्ज्वला योजना के तहत ३ करोड़ घरों को मुफ्त गैस का कनेक्शन देने का आश्वासन, स्वच्छ भारत अभियान के तहत २ करोड़ शौचागार बनाने की बात, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत २०२२ तक प्रत्येक नागरिक को आवासीय घर प्रदान करने के लिए सक्रिय कदम, १० करोड़ परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा, आदि। सड़कों, रेलवे एवं एयरपोर्टों के ढाँचागत विकास पर भी अच्छे निवेश के प्रावधान इस बजट में रखे गये हैं। बजट का दूसरा पहलू है – एक लाख से अधिक रुपयों के लांग टर्म कैपिटल गेन्स पर १० प्रतिशत टैक्स, मोबाईल फोनों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ना, आर्थिक सुधारों के प्रयासों में कमी और मध्यवित/वेतनभोगियों के आय कर दरों में कोई परिवर्तन न होना – देश की अच्छी-खासी जनसंख्या इस वर्ग में आती है और इसकी अपेक्षा थी। सार में, अगर किसान एवं संसाधनहीन वर्ग तक बजट के प्रावधानों का लाभ पहुँच सके तो यह बजट देशहित में होगा।

एक बार पुनः आप सबको होली की बधाइयाँ! जय समाज, जय राष्ट्र!

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

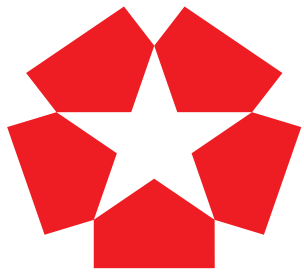

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

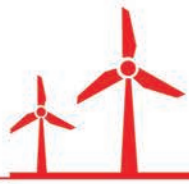

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

युवाशक्ति देश को नयी ऊँचाइयों तक ले जाएगी : प्रह्लाद राय अगरवाला

"वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में पूरे संसार की निगाहें भारत पर हैं। यह हर्ष का विषय है कि हमारे राष्ट्र की पैंसठ प्रतिशत से ज्यादा की आबादी पैंतीस वर्ष से कम है और हमारे युवक-युवतियाँ अत्यंत प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी हैं। देश की प्रगति के दृष्टिकोण से यह हमारा सबसे सबल सकारात्मक पहलू है। हमारी युवाशक्ति हमारे गणतंत्र को उत्तरोत्तर आगे बढ़ायेगी और नयी ऊँचाइयों तक ले जाएगी।" ये उद्‌गार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन के बाद आयोजित बैठक में व्यक्त किए। बैठक में श्री अगरवाला ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया, गणतंत्र दिवस की बधाइयाँ दी और कहा कि ऐसे राष्ट्रीय पर्वों पर हमें उनके विषय में भी सोचना चाहिए जो संसाधनहीन हैं और उनकी यथासम्भव सहायता का प्रयास करना चाहिए।

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला

श्री अगरवाला ने कहा कि सम्मेलन के वर्तमान सत्र में '**संगठित समाज, सशक्त आवाज**' के ध्येय-वाक्य के साथ सम्मेलन के संगठन के विस्तार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और इस दिशा में अच्छी सफलता भी मिली है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की आवाज प्रभावशाली बनाने हेतु संगठन को सुदृढ़ करना अनिवार्य है और साथ ही साथ सम्मेलन से जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी अपने कार्यक्रमों में सुनिश्चित करनी होगी।

राष्ट्र के गणतंत्र की ६८वीं वर्षगाँठ के अवसर पर सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय भवन (डकबैक हाउस, कोलकाता) के समक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ झंडोत्तोलन किया, राष्ट्रगान हुआ और तत्पश्चात् सम्मेलन कार्यालय सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे गणतंत्र की स्थापना के बाद से अपनी उपलब्धियों, शक्तियों, कमजोरियों, अवसरों एवं खतरों के आकलन का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह सही है कि हमने आर्थिक क्षेत्र में अच्छी तरक्की की है किन्तु समग्र विकास में कमी रही है।

श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि अपने नकारात्मक पहलुओं, खामियों पर भी विचार करने की जरूरत है। आर्थिक रूप से ७२ उभरते देशों में भारत ६४वें स्थान पर है – कुछ मामलों में पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी पीछे। कई राज्यों में बड़ी संख्या में किसानों ने आत्महत्या की है। अमीरों एवं गरीबों के बीच बढ़ती खाई हमें सामाजिक विद्वेष की ओर ले जा रही है। पूरी व्यवस्था धन पर आधारित हो गयी है। यहाँ तक कि चिकित्सा-व्यवस्था भी पूरी तरह धन पर केन्द्रित है। पद्मावत का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद, प्रशासन प्रभावी कदम उठाने में हिचकिचा रहा है, इसका कारण वोटबैंक की राजनीति है। जनतंत्र की एक बड़ी कमी है कि इसमें मापदंड योग्यता न होकर संख्याबल होता है। इस विषय में उन्होंने शायर **अल्लामा इकबाल** की विश्वप्रसिद्ध निम्न पंक्तियाँ उद्धृत की :

श्री सीताराम शर्मा

"इस राज को इक मर्दे-फिरंगी ने किया फाश,
हरचंद कि दानां इसे खोला नहीं करते।
जमहूरियत इक तर्जे-हुकूमत है कि जिसमें,
बन्दों को गिना करते हैं तौला नहीं करते।"

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने अपने सम्बोधन में कहा कि आम जनता संविधान से न्याय की अपेक्षा रखती है किन्तु हमारी न्याय-प्रक्रिया इतनी जटिल और महंगी है कि आम आदमी न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए भी डरता है। इस सम्बंध में भी कदम उठाने की आवश्यकता है।

श्री रामअवतार पोद्दार

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि देश की आधी आबादी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। जब तक अमीरी और गरीबी के बीच खाई पाटी नहीं जाएगी, तब तक हम अपने गणतंत्र को सफल राष्ट्रों की श्रेणी में नहीं ला पायेंगे। सम्मेलन द्वारा चलाये जा रहे समाज सुधार के कार्यक्रमों को भी श्री सराफ ने राष्ट्रहित के लिए आवश्यक बताया और कहा कि अगर समाज कुरीतियों से बचता है तो इससे संसाधनों का समुचित उपयोग होगा और राष्ट्र की प्रगति में योगदान होगा।

साहेबगंज, झारखंड से पधारे **श्री विनोद अग्रवाल** ने सभी उपस्थितों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने श्री सीताराम शर्मा एवं श्री शिव कुमार लोहिया का क्रमशः भारत चैम्बर ऑफ कॉमर्स और हिन्दुस्तान क्लब का अध्यक्ष चुने जाने के लिए पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन भी किया।

(शेष पृष्ठ २३ पर)

मद्यपान निषेध कार्यक्रम पर समाज की सकारात्मक प्रतिक्रिया एवं समर्थन उत्साहवर्धक : प्रह्लाद राय अगरवाला

"सम्मेलन के वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध कार्यक्रम को समाज के सभी वर्गों से प्राप्त हो रहा समर्थन एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक है। सम्पन्न परिवार भी अपने वैवाहिक कार्यक्रमों में इसका पालन कर रहे हैं और आडम्बर एवं अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण कर रहे हैं, यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है।" ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने गत १२ फरवरी २०१८ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में व्यक्त किए।

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला

बैठक में सर्वप्रथम श्री अगरवाला ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया और सम्मेलन की वर्तमान गतिविधियों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान सत्र में अब तक २,८०० से अधिक नये सदस्य बनाये जा चुके हैं। उन्होंने संगठन-विस्तार में सक्रिय योगदान हेतु प्रादेशिक सम्मेलनों की भी प्रशंसा की। श्री अगरवाला ने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत की गत ५ फरवरी २०१८ को आयोजित बैठक में महापंचायत ने दाम्पत्य सम्बंधों में तनाव और इसके परिणामस्वरूप आनन-फानन में तलाक पर नियंत्रण के लिए दाम्पत्य-समस्याओं में मध्यस्थ की भूमिका निभाने का निर्णय लिया है। अब तक महापंचायत वैवाहिक समारोहों में मद्यपान, आडम्बर-दिखावे पर नियंत्रण जैसी विषयों पर ही कार्य कर रही थी। इसके लिए पूरी कार्यप्रणाली तय की जाएगी लेकिन इसका सार यह है कि यदि पूरे विवरण के साथ, लिखित रूप में, कोई समाजबंधु इस विषय में महापंचायत से अनुरोध करे तो महापंचायत प्रत्येक मामले की परिस्थितियों पर विचार-विमर्श कर, अपने कुछ उपयुक्त सदस्यों को मध्यस्थता के लिए मनोनीत करेगी। महापंचायत का यह निर्णय स्वागत योग्य है क्योंकि हमारे समाज के समक्ष आज यह एक जटिल समस्या है।

श्री सीताराम शर्मा

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में सम्मेलन के संगठन-विस्तार की प्रगति पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि कई प्रदेशों में संगठन सिर्फ सक्रिय ही नहीं बल्कि संगठित भी हुआ है। उन्होंने मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत के गठन एवं महापंचायत द्वारा दाम्पत्य-समस्याओं में मध्यस्थता के निर्णय को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। श्री शर्मा ने कहा कि सम्मेलन के संविधान में भी पंचायत का प्रावधान है और पंचायती व्यवस्था को सक्रिय करना समाजहित में एक आवश्यक कदम है। उन्होंने महापंचायत की कार्यप्रणाली पर संक्षेप में प्रकाश डाला और कहा कि अगर हम कुछ तलाक रोकने में भी सफल हुए तो यह समाज की बहुत बड़ी सेवा होगी।

श्री शिव कुमार लोहिया

बैठक में राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (१७ नवम्बर २०१७; कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने 'महामंत्री की रपट' और वर्तमान सत्र में स्थायी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों पर 'कार्यवाही की रपट' प्रस्तुत की।

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने अपने संबोधन में संसाधनविहीन समाजबंधुओं को चिकित्सा में सहयोग के विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सम्मेलन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग कर रहा है, उसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कदम उठाने की जरूरत है। इस विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ और निर्णय लिया गया कि सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति का गठन हो, सर्वश्री ऋषि बागड़ी, रवि लोहिया, दामोदर प्रसाद बिदावतका, आदित्य चौधरी आदि इस उपसमिति में हों और इस सम्बंध में आगे कार्यवाही का दायित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ को दिया गया।

श्री ऋषि बागड़ी

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन की उपसमितियों के चैयरमैनों ने अपनी उपसमिति की प्रगति पर रपट प्रस्तुत की। वैवाहिक परिचय उपसमिति के चैयरमैन **श्री ऋषि बागड़ी** ने प्रगति का विवरण देते हुए बताया कि उपसमिति के पास लगभग १,२०० बायो-डाटा हैं और बायो-डाटा का आदान-प्रदान, मुख्यतः ह्वाट्सऐप के माध्यम से, सुचारू रूप से हो रहा है। अब तक उपसमिति के माध्यम से ८ विवाह तय हो चुके हैं और ७ जोड़ों के विषय में बात बढ़ रही है। श्री बागड़ी ने कहा कि इस विषय का एक और पहलू विचारणीय है - इन दिनों उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियाँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं और उच्च शिक्षित लड़कियों के लिए सुयोग्य वर मिलने में कठिनाई हो रही है।

श्री आत्माराम सोन्थालिया

श्री नंदलाल सिंघानिया

श्री दिनेश जैन

श्री नंद किशोर अग्रवाल

श्री संतोष सराफ

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने वित्तीय स्थिति पर रपट प्रस्तुत की और सभी उपस्थितों से समाज विकास में विज्ञापन सहयोग का अनुरोध किया।

संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने बताया कि कार्यक्रम आयोजित करने के सम्बंध में कुछ विद्यालयों से बात चल रही है और निकट भविष्य में संस्कार-संस्कृति कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

रोजगार सहायता उपसमिति के चैयरमैन **श्री दिनेश जैन** ने सूचना दी कि अब तक रोजगार हेतु कुल ७० आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से ५२ को काम पर रखवाया जा चुका है और १५ आवेदनों पर प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि दिसम्बर २०१७ और फरवरी २०१८ के बीच ८ आवेदकों को काम पर रखवाया गया।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने पश्चिम बंग सम्मेलन की गतिविधियों और संगठन-विस्तार के प्रयासों के विषय में संक्षेप में बताया।

बैठक के अंत में, धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने राष्ट्रीय स्थायी समिति द्वारा विचार करने योग्य विषयों पर चर्चा की। उन्होंने मद्यपान निषेध कार्यक्रम का पालन करने वाले कुछ सम्पन्न समाजबंधुओं के उदाहरण देते हुए कहा कि समाज का हर वर्ग इस कार्यक्रम से आशान्वित है और हमें हर स्तर पर, सक्रियता से इसे आगे बढ़ाना चाहिए।

बैठक में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका, सर्वश्री रवि लोहिया, काशीप्रसाद धेलिया, आदित्य चौधरी, मेश कुमार बूबना, गोविन्द अग्रवाल, सुरेन्द्र कयाल, शिव कुमार बागला, रामनिवास शर्मा 'चोटिया', प्रमोद कुमार गोयनका, शम्मी कुमार गनेरीवाल** आदि उपस्थित थे।

अन्तर्मन के भाव

- डूंगरमल अग्रवाल

दायरा बढ़ता है जब दिल दरिया हो।
दिल दरिया होता है जब सद्गुरु शरण हो।
सद्गुरु शरण होती है जब शुभ कर्म हों।
शुभ कर्म होते हैं जब सद्चरित्र हो।
सद्चरित्र होता है जब दृढ़इच्छा हो।
दृढ़इच्छा होती है जब मन स्थिर हो।
मन स्थिर होता है जब विधिपूर्वक ध्यान हो।
विधिपूर्वक ध्यान होता है जब वैसा मार्गदर्शक हो।
जब वैसा मार्गदर्शक मिले तो बस सम्पूर्ण है।
जब होगा उसको समर्पण तो दिल ही बना जाता है दर्पण।
जब दिल बन जाए दर्पण तो करें आत्मनिरीक्षण।
जब होगा सच्चा आत्मनिरीक्षण तो होगा स्व का दर्शन।
स्व का दर्शन ही करायेगा ईश्वर का दर्शन।
जब होगा ईश्वर दर्शन तो अन्ततः स्व का भी उसमें एकीकरण।
तब अनुभव कहेगा कि यही है मानव जीवन का सच्चा लक्षण।

झारखंड सम्मेलन की बैठक

सामाजिक उत्थान और सांगठनिक मजबूती पर बल

झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक स्थानीय जैन मंदिर सभागार में २७ जनवरी २०१८ को देवघर शाखा अध्यक्ष **शिव कुमार सर्राफ** की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सम्मेलन के प्रान्तीय अध्यक्ष **निर्मल काबरा** ने सामाजिक उत्थान एवं सांगठनिक मजबूती पर बल प्रदान करते हुए लोगों से इसके लिए सार्थक पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा, विशेषकर गरीबों की शिक्षा पर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता जतायी।

प्रदेश महामंत्री **सुरेश सोंथलिया** सहित **ताराचन्द जैन** ने भी बैठक को संबोधित किया। स्वागत भाषण स्थानीय शाखाध्यक्ष **शिव सर्राफ** ने, धन्यवाद ज्ञापन स्थानीय महामंत्री **अशोक सरावगी** ने एवं मंच संचालन **श्रवण बथवाल** ने किया। बैठक में प्रान्तीय उपाध्यक्ष **ओम प्रकाश अग्रवाल, अशोक भालोटिया, श्रवण काबरा**, प्रान्तीय सहसचिव **कौशल राजगढ़िया, संतोष अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल**, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष **दिनेश चौधरी**, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष **अरुण बुधिया, ओम प्रकाश सर्राफ**, परामर्शदात्री समिति के सदस्य **अभय शर्राफ, ताराचन्द जैन**, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष **गोविन्द डालमिया**, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष **प्रदीप बागला**, प्रमंडलीय मंत्री **राजेश मोदी**, जिला अध्यक्ष **अशोक सर्राफ**, देवघर शाखा मंत्री **अशोक सरावगी** सहित अन्य मौजूद थे।

बैठक में पत्रकार **आलोक संतोषी** की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन भी रखा गया। दूसरे दिन मारवाड़ी सम्मेलन देवघर शाखा द्वारा स्वर्गीय **नारायण सर्राफ** व स्वर्गीय **युगल किशोर सर्राफ** की स्मृति में मेधा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष ने किया। शिविर संयोजक **डॉ. अमित अग्रवाल** व **पवन टमकोरिया** थे। इस अवसर पर देवघर शाखा की ओर से कम्बल वितरण भी किया गया।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

३०वाँ प्रादेशिक अधिवेशन – मंथन २०१८
भव्य सफलता के साथ सम्पन्न

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का ३०वाँ प्रादेशिक अधिवेशन "मंथन २०१८" गत ६ एवं ७ जनवरी २०१८ को बेगूसराय शाखा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में पहली बार रिकॉर्ड सदस्यों और अतिथियों को मिलाकर लगभग ८०० लोगों ने इस समारोह में शिरकत की। सर्वप्रथम कार्यकारिणी समिति एवं प्रादेशिक सभा की बैठक हुई।

६ जनवरी को दोपहर के भोजन के पश्चात महिला सत्र आयोजित किया गया। **मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी की साध्वी** थीं और अध्यक्षता महिला सम्मेलन की बेगूसराय शाखाध्यक्ष **श्रीमती सरिता सुल्तानियाँ** ने की। मुख्य वक्ता दरभंगा की मेयर **श्रीमती बैजंती देवी खेड़िया** सहित अन्य लगभग ३०० लोगों ने **'दहेजमुक्त विवाह में महिलाओं की भूमिका'** विषय पर आपसी विचार-विमर्श किया और बिहार के मुख्यमंत्री के आह्वान में अपने समाज की दमदार भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना बनाई।

इसके बाद युवा सत्र प्रारंभ हुआ। अध्यक्षता बिहार प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष **श्री आकाश अग्रवाल** ने और उद्घाटन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अनिल वर्मा** ने किया। मुख्य अतिथि एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया **श्री सत्यदर्शी संजय** एवं मुख्य वक्ता बिहार के संस्थापक प्रांतीय अध्यक्ष **श्री महेश जालान** थे। **'बिहार के विकास में युवाओं की भागीदारी'** विषय पर खचाखच भरे सभागार में मौजूद लोगों एवं विद्वान वक्ताओं ने अपने-अपने ओजस्वी विचारों के माध्यम से राज्य के विकास में मारवाड़ी समाज के युवाओं की प्रभावपूर्ण भागीदारी की वकालत की और यह तय किया कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए जो कुछ भी करना पड़े, हम हर जगह प्रथम पंक्ति में रहेंगे। राज्य के उत्पादन और राजस्व में वृद्धि करेंगें इसके साथ ही रोजगार देने के लिए अपने व्यवसाय और उद्योग-धंधों को और अधिक विस्तृत करेंगे।

शाम की चाय के बाद सुरमई शाम में रंगारंग राजस्थानी कार्यक्रम आरंभ हुआ जो देर रात तक चलता रहा। एक से एक लोकगीतों, नृत्यों और संक्षिप्त नाटकों के माध्यम से बिहार के आम-आवाम को राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति, वहाँ के खान-पान, रहन-सहन, वेश-भूषा और तीज-त्यौहारों से अवगत कराया गया। इस दौरान हॉल में तिल रखने की भी जगह नहीं थी।

रविवार, ७ जनवरी २०१८ की सुबह बेगूसराय के स्थानीय नागरिकों और बिहार के कोने-कोने से आए प्रतिनिधियों के मानस पटल पर सालों-साल अंकित रहेगी। **बिहार विकास एवं एकता पदयात्रा** के दौरान १००० से अधिक महिलाओं, पुरूषों और बच्चों ने राजस्थानी पगड़ी, दुपट्टे, मोतियों की माला और

सांस्कृतिक कार्यक्रम का एक दृश्य

बाजूबंद के साथ जो छटा बिखेरी, दर्शनीय थी। हाथी, घोड़े, ऊँट , कई तरह के बैंड-बाजे, स्कूली छात्र-छात्राओं की टोलियाँ, राणा प्रताप, शिवाजी, भारत माता और राजस्थान के गाँव की मनोहर झांकियाँ, चार चाँद लगा रही थीं।

आयोजन स्थल पर पहुँच कर विसर्जित हो रही रैली ने **'एक दीप शहीदों के नाम'** कार्यक्रम के अन्तर्गत देश के लिए शहीद होने वालों की याद में दीपक जलाए। सैकड़ों दीपक जलते हुए एक मनोरंम दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे।

झंडोत्तोलन के तुरंत बाद उद्घाटन समारोह आरंभ हुआ। उद्घाटनकर्त्ता वीरायतन की **साध्वी चंदना जी**, मुख्य अतिथि

बिहार के नगर विकास मंत्री **श्री सुरेश शर्मा**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** और **श्री संतोष सराफ**, प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** एवं अन्य अतिथियों के साथ निर्वाचित अध्यक्ष **श्री बिनोद**

श्री बिनोद तोदी

तोदी ने मंच पर स्थान ग्रहण किया और संयुक्त रूप से दीप जलाकर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया।

स्वागताध्यक्ष **श्री राम नारायण खेमका** ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। शाखाध्यक्ष **श्री प्रेम कुमार मेंगोतिया** ने अपना संबोधन दिया। उसके पश्चात् प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला ने अध्यक्षीय सम्बोधन के उपरांत निर्वाचित अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी को पदभार दिया। अध्यक्षीय सम्बोधन में श्री तोदी ने ओजपूर्ण ढंग से अपनी कार्य प्रणाली और भविष्य की योजनाओं एवं प्राथमिकताओं को व्यक्त करते हुए सभी पूर्व अध्यक्षों को नमन करते हुए बेगूसराय के समाजवन्धुओं को अविस्मरणीय अधिवेशन आयोजित करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि **जब तक संगठन मजबूत नहीं होगा, तब तक समाज की समस्याओं का स्थाई समाधान संभव नहीं है**। संगठन को मजबूत करने के लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक शाखाओं के दौरे हों। समाज की समस्याओं का निदान हो तथा ज्यादा से ज्यादा नये सदस्य बनाकर संगठन को मजबूत किया जाये। सेवा के क्षेत्र में समाज के द्वारा किये जा रहे कार्यों का उल्लेख करने के साथ-साथ उन्होंने **विकलांगता मुक्त बिहार एवं मरणोपरांत देहदान जैसे कार्यों को प्रादेशिक कार्यक्रम घोषित किया**।

व्यक्ति विकास के क्षेत्र में चर्चा करते हुए कार्यशालाओं के आयोजन से समाज को जागरूक करने के बारे में बताया गया। आपने आडम्बर एवं विवाह-शादी में हो रही परेशानियों पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे होने वाली परेशानियों से समाज को जागरूक करने की आवश्यकता है और इस दिशा में निरंतर कार्य करना आवश्यक है।

श्री बिनोद तोदी ने अपनी कार्यकारिणी के गठन के प्रथम चरण की घोषणा की। इसके अन्तर्गत **सर्वश्री अरुण रुँगटा** और **राजीव केजड़ीवाल** को वरीय उपाध्यक्ष, **मातादीन अग्रवाल, अशोक खेमका, विवेक तुलस्यान, नीरज खेड़िया, पवन कुमार बंका** को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, **अभिषेक लोहिया** को कोषाध्यक्ष एवं **महेश जालान** को महामंत्री नियुक्त किया गया। उद्घाटन समारोह का संचालन शाखा मंत्री **श्री नीरज मस्करा** ने किया।

प्रतिनिधि सत्र में विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसके उपरांत प्रस्ताव पारित किये गये।

श्री अरुण रुँगटा

खुला सत्र में बिहार की विभिन्न शाखाओं से आये पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अनेक समाजोपयोगी विषयों पर गहन चर्चा की। इसके पश्चात मधुर स्मृतियों को संजोये हुए अब तक का सफलतम अधिवेशन समाप्त हुआ।

श्री राजीव केजड़ीवाल

इस अधिवेशन की सबसे बड़ी बात यह रही कि अत्यंत भव्य होने के बावजूद भी कहीं फिजूलखर्ची अथवा अनावश्यक प्रदर्शन नहीं दिखा। सारी व्यवस्थाएँ सुनियोजित, अनुशासित एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से की गई थी। आवास की बात करें या भोजन की, किट वितरण की बात करें या स्मारिका के प्रकाशन की, पदयात्रा की बात करें या सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की – सब कुछ योजनाबद्ध ढंग से सम्पादित हो रहा था। इसके पीछे आयोजक शाखा की महीनों की मेहनत, सुगठित टीम, सशक्त निर्देशन और अनुभवी मार्गदर्शन के साथ कार्यकर्त्ताओं की सक्रियता स्पष्ट परिलक्षित हो रही थी। अधिवेशन की सम्पूर्ण गतिविधियों को मीडिया में भरपूर स्थान मिला।

श्री महेश जालान

सम्पूर्ण आयोजन में स्वागताध्यक्ष **श्री राम नारायण खेमका**, शाखाध्यक्ष **श्री प्रेम कुमार मेंगोतिया**, स्वागत मंत्री **श्री सुभाष अग्रवाल**, शाखा मंत्री **श्री नीरज मस्करा**, पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री राम दयाल मस्करा, श्री मुकेश जैन, संदीप मस्करा, श्री रंजीत अग्रवाल, श्री राज कुमार तुलस्यान, श्री राजेन्द्र रूँगटा** सहित शाखा के सभी सदस्य एवं स्थानीय समाजवंधुओं ने विशिष्ट भूमिका निभायी।

उम्मीद

एक बार किसी शख्स ने स्वामी विवेकानंद से पूछा, 'सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा क्या है?'

स्वामी जी ने जवाब दिया, 'उस उम्मीद को खो देना, जिसके भरोसे पर हम सब कुछ वापस पा सकते हैं'

होली में उपाधियों

नाम सर्वश्री	उपाधि
प्रह्लाद राय अगरवाला	सदाबहार
नंदलाल रुँगटा	अपनापन
रामअवतार पोद्दार	विशेषज्ञ
सुरेन्द्र लाठ	शुभकामनाएँ
ओंकारमल अगरवाला	किस्सा कुर्सी का
अनिल कुमार जाजोदिया	युवा तुर्क
दिनेश कुमार जैन	रोजगार का दायित्व
संजय हरलालका	संघे शक्ति कलियुगे
रतनलाल शाह	सम्मेलनाइट
श्रीमती मीना गुप्ता	मातृशक्ति
रवि कुमार अग्रवाल	युवा सम्राट
नरेशचन्द्र विजयवर्गीय	मेरी तबियत ठीक नहीं है
बिनोद तोदी	नया जोश
निर्मल कुमार काबरा	ऊँचे इरादे
कमलेश नाहटा	साइनबोर्ड
रमेश चन्द्र बंग	कुछ करना है
मधुसूदन सीकरिया	सबल नेतृत्व
नंदकिशोर अग्रवाल	कुछ नया करना है
राज कुमार मिश्र	दिल्ली की बागडोर
पुरूषोत्तम सिंघानिया	छत्तीसगढ़ मीशन
रणजीत कुमार जालान	उत्तरदायित्व
जयप्रकाश अग्रवाल	कुछ दिन तो गुजारिये गुजरात में
बनवारीलाल शर्मा 'सोती'	साथ साथ
हरिप्रसाद बुधिया	नई स्कूल
डॉ. जुगल किशोर सर्राफ	मठाधीश
पवन जालान	हम भी साथ हैं
श्याम सुन्दर अग्रवाल	अलग राग, अलग ढ़पली
संतोष कुमार रूँगटा	जेंटलमैन
अमित सरावगी	उभरता सितारा
महावीर प्रसाद अग्रवाल	राम कृष्ण हरि
कमल कुमार दुग्गड़	महाश्रमण के साथ
विनय सरावगी	लक्ष्य पर नजर

नाम सर्वश्री	उपाधि
सीताराम शर्मा	भारत की सोच
डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	अध्यात्म की ओर
संतोष सराफ	आगे देखिए होता है क्या
राजकुमार पुरोहित	फुर्सत नहीं है
कमल नोपानी	महत्वाकांक्षी
शिव कुमार लोहिया	दो पारी
दामोदर प्रसाद बिदावतका	कर्मठ
कैलाशपति तोदी	खर्चे की चिंता
भानीराम सुरेका	मेरा नाम रहे
श्रीमती सुषमा अग्रवाल	यत्र-तत्र-स्वत्र
अशोक जालान	खिलाड़ी
रामपाल अट्टल	दक्षिण का झंडा
महेश जालान	नया जोड़ा
सुरेश सोन्थलिया	बहुत कुछ करना है
सुभाष पगरिया	कुम्भकर्णी नींद
आत्माराम सोन्थलिया	ठोस विचार
प्रमोद तिवाड़ी	नई सोच
ओम प्रकाश अग्रवाल	भाई साहब
लक्ष्मीपत भूतोड़िया	दिल्ली की ओर
अमर बंसल	उदीयमान
रणजीत कुमार टिबड़ेवाल	उत्तराखंड
संदीप कुमार सिंघल	अभी सम्मेलन को जानना है
बाबूलाल धनानिया	अपना झंडा
प्रह्लाद राय गोयनका	गंगा की कसम
नारायण प्रसाद डालमिया	सहयोगी
विवेक गुप्त	बढ़ते कदम
सज्जन भजनका	यथा नाम यथा गुण
श्याम सुन्दर बेरीवाल	राधे राधे
गोपाल अग्रवाल	भाई साहव
दीनदयाल गुप्त	मद्यपान का विरोध
विश्वनाथ सेक्सरिया	समाज की चिंता
डॉ. बिट्ठल दास मूँधड़ा	आल इन वन

का मुक्तहस्त वितरण

नाम सर्वश्री	उपाधि	नाम सर्वश्री	उपाधि
भगवती प्रसाद जालान	राष्ट्रवादी	राजकुमार केडिया	सम्मेलन की चिंता
पवन कुमार सुरेका	चम्बर ऑफ कॉमर्स	हरिकृष्ण चौधरी	शिक्षाप्रेमी
ओमप्रकाश खण्डेलवाल	तेज-तर्रार	रमेश कुमार बंग	बोलिये सर
बनवारीलाल मित्तल	सस्ते में सुंदरता	ऋषि बागड़ी	सुदर्शन व्यक्तित्व
अशोक कुमार तोदी	पैसे की माया	श्याम सुन्दर अग्रवाल	सृजनशील
राजेश अग्रवाल	आउट ऑफ स्टेशन	श्रीगोपाल झुनझुनवाला	राष्ट्रीय सोच
बिश्वनाथ भुवालका	सांस्कृतिक	गोविन्द प्र. केजरीवाल	बाल की खाल
भंवरलाल जैसनसरिया	भाषा-साहित्य	ब्रह्मानंद अगरवाला	भाई साहब
घनश्याम दास अगरवाल	समाज की सेवा	सुदेश कुमार अग्रवाल	मै भी कुछ हूँ
राजेन्द्र खण्डेलवाल	धनवंतरी	दिनेश कुमार जैन	हितैषी
राजेन्द्र बच्छावत	यदा-कदा	नन्द गोपाल खेतान	मेरी राय
धरम चंद अग्रवाल (दिनोदिया)	हंस-मुख	प्रमोद कुमार शाह	मै व्यस्त हूँ
सुभाष मुरारका	व्यवस्था की बागडोर	भागचंद पोद्दार	सहज
रविन्द्र चमड़िया	अक्षय लाभ	द्वारिका प्र. गनेरीवाल	स्काउट एवं गाइड्स
राजेन्द्र प्र. पंसारी	मजबूरी	नंदलाल सिंघानिया	विशेषज्ञ
पवन कुमार लिल्हा	हितैषी	प्रेमचंद सुरेलिया	हाजिर हूँ
द्वारिका प्र. डाबड़ीवाल	मेरे से पूछो	श्याम लाल डोकानिया	अभी बाकी है
सांवर लाल शर्मा	स्टील नगरी	भगवान दास अग्रवाल	हंसमुख
दिनेश कुमार सेक्सरिया	मारवाड़ी अस्पताल	सम्पत मल बच्छावत	विनम्र
अनिल कुमार पोद्दार	समय का धनी	राज कुमार गुप्ता	मुक्ति की ओर
जगदीश प्र. चौधरी	सामाजिक दायित्व	रतन लाल अग्रवाल	चकाचौंध
जोधराज लड्ढा	निनानवें का चक्कर	देव किशन मोहता	फेसबुक फ्रेंड
गौरीशंकर अग्रवाल	कर्मयोगी	बिजय गुजरवसिया (अगरवाल)	आता है याद मुझको गुजरा हुआ जमाना

आओ आज मनायें होली

सद्भाव की पिचकारी में पुष्प-प्राग-मकरंद डालकर
हो जाये प्रगाढ़ मित्रता, मधुर प्रेममय रंग डाल कर
प्रेम तरंग में सराबोर हो, लाल गुलाल कमल सा कर दूँ
गले मिलें अनुरागयुक्त हो, मोद प्रमोद की झोलियाँ भर दूँ
जीवन के संयोगपूर्ण क्षण, हंसी खुशी भरपूर ठिठोली
भेदभाव तनाव भूल कर, आओ आज मनाएं होली।

– डॉ. केवलकृष्ण पाठक

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

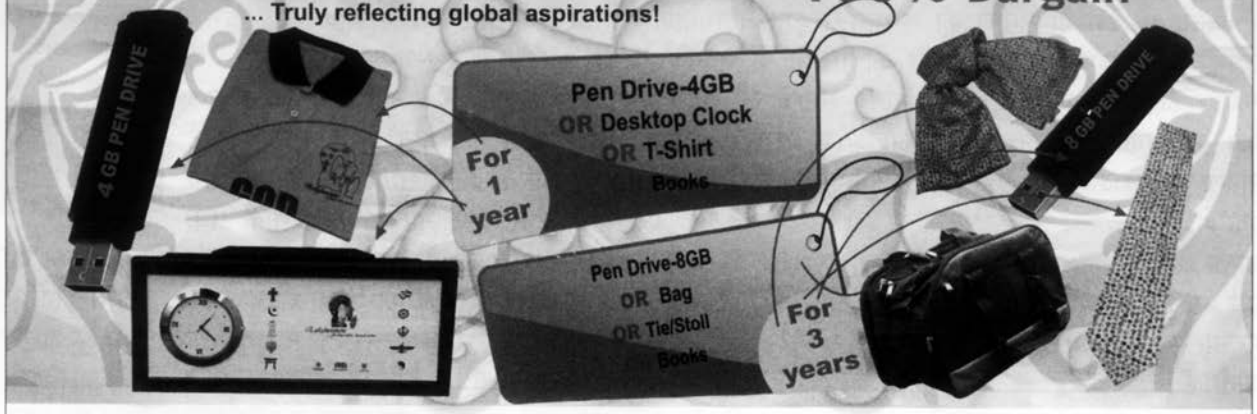

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : | | | | | | |

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

वाराणसी सम्मेलन की सहयोग-धारा योजना का लोकार्पण

आधुनिकता के साथ परम्पराओं का भी रखें ध्यान : सांसद विवेक गुप्त

मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी द्वारा प्रारंभ की गई नई योजना सहयोग-धारा का लोकार्पण राज्यसभा सांसद व सन्मार्ग समाचार पत्र समूह, कोलकाता के ग्रुप सम्पादक **श्री विवेक गुप्त** ने वाराणसी में गत २१ जनवरी २०१८ को किया।

स्थानीय डायमण्ड होटल में आयोजित एक समारोह में इस कार्य का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, प्रतीक चिह्न लोकार्पण एवं कार्यक्रम पत्रिका के विमोचन के साथ किया गया।

इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री विवेक गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति बड़ी ही अद्‌भुत व अनूठी है और इसका पूरे विश्व में बड़ा प्रभाव है। विश्व पटल पर भारत को शीर्ष पर स्थापित करने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हम लोग अपनी नई पीढ़ी को, अपने बच्चों को बचपन से ही भारतीय संस्कृति से जोड़ कर रखें। आधुनिक शिक्षा व कला अत्यंत आवश्यक है, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपने बच्चों व युवाओं को रोमियो-जूलियट के साथ-साथ 'धरती धोरां री' से परिचित कराएँ। जमाना बदल रहा है और युवा शक्ति की क्षमता भी बढ़ रही है। युवाओं में जागृति व विभिन्न विषयों में जागरूकता भी बड़े रूप में बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में उनका प्रभाव बढ़ रहा है। यहाँ तक कि हर चुनाव में नए बनते करोड़ों युवा वोटर लोकतंत्र व देश का भविष्य तय कर देते हैं। ऐसे माहौल में अत्यंत आवश्यक है कि हम लोग युवाओं की भूमिका व योगदान के महत्व को समझें, उनकी सहभागिता बढ़ाएँ, उन्हें यथासम्भव सुनें एवं समझें।

देश व समाज पर राजनीति के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों को, अच्छी भावना के साथ राजनीति में अवश्य आना चाहिए। राजनैतिक जागरूकता जितनी बढ़ेगी, लोकतंत्र उतना मजबूत होगा। भारत की सम्पूर्ण प्रगति के लिए हमें देश निर्माण के काम हेतु एकजुट होकर लगना होगा।

श्री विवेक गुप्ता ने आगे कहा कि रोजी रोटी के लिए आगे बढ़कर देशाटन करने वाले मेहनती मारवाड़ी समाज की उपलब्धियों पर हम सबको गर्व है। समाज ने सदैव ही सेवा व राष्ट्र निर्माण के कार्यों में बड़ा अंशदान दिया है। मारवाड़ से बाहर निकल देश-विदेश जहाँ भी मारवाड़ी गए हैं, ये चाय में चीनी की तरह वहाँ के समुदाय से घुल-मिल गए और वहाँ मिठास घोल रहे हैं। यह भी आवश्यक है कि हम अपने मारवाड़ी होने पर गर्व करें और जब जहाँ मौका मिले, इस बात की अभिव्यक्ति करने में कोई संकोच न करें।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अनिल के. जाजोदिया** ने कहा कि सामाजिक ढांचा सदैव ही सम्पर्क व सहयोग पर आधारित रहा है। एक-दूसरे के सुख-दुख में हाथ बँटाने व साथ देने से ही समाज व देश मजबूत होता है।

सहयोग-धारा कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए उत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय संयोजक **श्री उमाशंकर अग्रवाल** ने बताया कि सहयोग-धारा योजना के अन्तर्गत समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों को चिकित्सा, कन्या विवाह, रोजगार व छात्रवृत्ति के क्षेत्र में आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन का यह प्रयास रहेगा कि समाज की जरूरत के समय हम लोग उनके साथ खड़े हों और सहयोग करें।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी के अध्यक्ष **श्री श्रीनारायण खेमका** ने कहा कि समाज का निर्माण हर प्रकार के लोगों से मिलकर होता है और सक्षम व्यक्तियों की यह जिम्मेदारी है कि जरूरतमंद की मदद करें।

समारोह के प्रारंभ में मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवक संघ, मारवाड़ी युवा मंच, माहेश्वरी परिषद, खण्डेलवाल समाज आदि की ओर से श्री विवेक गुप्त का शाल, दुपट्टा, माला-फूल व प्रतीक चिह्न से हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

मुख्य अतिथि का परिचय **श्री ललित मोहन अग्रवाल** व धन्यवाद-प्रकाश **श्री संजीव शाह** ने किया। समारोह का संचालन वाराणसी शाखा के मंत्री **श्री अनिल अग्रवाल** ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मारवाड़ी समाज के लोग व मारवाड़ी युवा मंच के सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें **श्री संजीव शाह, श्री अनुज डिडवानिया, श्री मनीष लोहिया, श्री कृष्ण कुमार काबरा, श्री श्याम सुन्दर प्रसाद, श्री गोकुल शर्मा, श्री प्रतीक केडिया, श्री अभय अग्रवाल, श्रीमती पूजा लोहिया, श्री सुरेश तुलस्यान** आदि प्रमुख रहे।

देश में प्रगति के निरर्थक मापदंड

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

भारत को स्वतंत्र हुए ७१ वर्ष हो गये हैं। १९५० में लागू हुए संविधान में प्रत्येक व्यक्ति को समता, न्याय, सम्मान एवं विकास मुहैया करवाने की बात कही गई है। सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद मिली स्वतंत्रता से जन-जन में आशा एवं आकांक्षा का संचार हुआ था। इसमें कोई शक नहीं कि अनेकों क्षेत्रों में देश ने प्रगति की है। कामयाबी के सोपान नित नये चढ़े जा रहे हैं। पर कुछ बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश जाति, धर्म, संप्रदाय, भाषा एवं अन्य छोटे-बड़े मुद्दों पर बँटा हुआ नजर आ रहा है। देश का दुर्भाग्य है कि आज भी गांधीजी का ग्रामस्वराज का सपना एक सपना ही बना हुआ है। देश की प्रगति में हमारे गाँव बहुत पीछे छूट गये हैं। गाँव के लोग शहर की ओर जाने को बाध्य हो रहे हैं। देश में सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्कारों की जगह आर्थिक संस्कार खास हो रहे हैं। ज्ञान की जगह वित्त प्रमुख हो गया है। जितना शीघ्र अर्थार्जन हो उतना ही अच्छा। मूल्यबोध, आचार-विचार, रिश्ते, शिष्टता, शालीनता आदि बौने हो रहे हैं। परिवार, विद्यालय, अस्पताल, सरकारी कार्यालय में सभी जगह मानवीय मूल्यों का ह्रास हुआ है। राजनैतिक क्षेत्र, जो कि मूलतः त्याग एवं सेवा का क्षेत्र था, आज सत्ता पर काबिज रहने का माध्यम बन गया है। आज जनता हासिये पर आ गयी है। ऐसा लगता है कि सत्ता का अपना चुम्बकीय आकर्षण है, जिसके आगे नीति एवं आदर्श गौण हो रहे हैं। हमारा देश विरोधाभासों का देश है। देश में आर्थिक विकास की बड़ी-बड़ी योजनाएँ हैं, दूसरी तरफ विभिन्न मुद्दों पर देश में तनाव फैल रहा है। देश का एक तबका आज भी जीवन-यापन की मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है। कहीं पर मुफ्त मोबाईल, चमचमाती गाड़ियों एवं ४जी का बोलबाला है, तो कहीं बिजली, पानी, सड़क, घर जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का नितांत अभाव हैं। रोटी एवं रोजगार का जो अधिकार एक कैदी को है, देश का आम नागरिक उससे वंचित है। देश के कई भाग इतने अलग-थलग हो चुके हैं कि आज वहाँ लोग खुद को राष्ट्र का हिस्सा ही नहीं मानते। अशिक्षा, बेरोजगारी, अव्यवस्था, असुरक्षा, अराजकता जैसी विसंगतियाँ बढ़ रही हैं। समाज की अधिकांश कार्यप्रणालियों एवं जीवनशैली का राजनीतिकरण हो गया है। सत्ता के गलियारों में आये दिन होनेवाले विभिन्न चुनावों में अपनी जीत दर्ज करना एक महत्वपूर्ण एजेन्डा बना हुआ है। राष्ट्रकवि दिनकर की कविता इन परिस्थितियाँ का सटीक बयान करती हैं –

अटका कहाँ स्वराज बोल दिल्ली तू क्या कहती है
तू रानी बन गई, वेदना जनता क्यूं सहती है
सबके भाग दबा रखे हैं, किसने अपने कर में
उतरी भी जो विभा, बता बंदिनी हुई किस घर में?

देश की प्रगति को सिर्फ आर्थिक मापदंडों पर मापा जाता है। प्रगति के सारे सूचकांक, उत्पादन, सर्विस के मापदंडों पर निर्भर करते हैं। वैश्वीकरण एवं आर्थिक नीति के अंतर्गत जो भी हो रहा है, उससे गरीब किसान एवं आम नागरिक ही नहीं बल्कि लघु एवं मझोले व्यापारी का अस्तित्व संकट में हैं। पिछले सात दशकों में गरीबों और अमीरों के बीच की खाई और अधिक गहरी हुई है। असमता बढ़ रही है। भारत में एक प्रतिशत अमीर लोग देश की कुल संपदा के ६० प्रतिशत के मालिक हैं। १९३० में २१ प्रतिशत लोगों के पास उतनी संपदा थी। यह आँकड़े हाल ही में सांसद श्री वरूण गांधी ने लोकसभाध्यक्ष को भेजे गये एक पत्र में बताया है। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार भारत में १०० से अधिक अति विशिष्ट-धनी व्यक्ति रहते हैं। सभी देशो में धनी अरबपतियों की संख्या के अनुसार भारत चौथे नम्बर पर आता है। अकेले २०१७ में भारतीय अरबपतियो की सम्पति में २६ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष २०१५ से २०१७ के दौरान भारतीय अरबपतियों की सम्पति में ६२ प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

दूसरी तरफ वांशिगटन के इंटरनेशनल पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आई.पी.आर.आई.) ने २०१७ वैश्विक भूख सूचकांक (जी.एच.आई.) के मापदंड में विश्व के ११९ देशों में से भारत का स्थान १०० बताया था, जो २०१६ के ९७ वें स्थान से तीन नीचे था। इस रपट के अनुसार १९ करोड़ या देश के १४.५ प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार से वंचित हैं। महिलाओं की बड़ी संख्या में खून की कमी पाई गई थी एवं ५ वर्ष के बच्चों की अपने उम्र के अनुसार लम्बाई कम रहती है एवं उनका वजन भी कम रहता है।

विश्व आर्थिक मंच की ओर से जारी समावेशी विकास सूचकांक मे १०३ देशों की सूची में भारत ८२वें स्थान पर है। समावेशी विकास में भारत अपने सभी पडोसी देशों से पीछे है। सूचकांक में चीन का २६वाँ, नेपाल का २२वाँ, बांग्लादेश का ३४वाँ, श्रीलंका का ४०वाँ और पाकिस्तान का ४७वाँ स्थान है। डब्ल्यू.ई.एफ. ने कहा है कि आर्थिक मोर्चे पर उपलब्धि हासिल करने के लिए जी.डी.पी. पर निर्भरता बढ़ने से असमानता की स्थिति पैदा हो रही है। उनके अनुसार उस सूचकांक में तीन मानकों को आधार बताया गया है। रहन-सहन का स्तर, पर्यावरण को लेकर स्थिरता और भविष्य की पीढ़ियो को कर्ज से बचाने के प्रयासों को इस सूचकांक में शामिल किया गया है। यह स्थिति आँखें खोलने वाली है।

विडंबना यह है कि अभी भी ६० प्रतिशत लोग गाँवो मे रहते हैं। कृषि के लिए किये गये सभी उपाय निरर्थक साबित हो रहे है। देश का किसान देश को अन्न दे रहा है, लेकिन आत्महत्या करने को मजबूर है। उधर बैंकों में बड़े उद्योगों द्वारा

लिये गये उधार को एन.पी.ए. (नॉन परफॉरमिंग असेट) घोषित कर दिया जाता है। यह रकम ९.५ लाख करोड़ है, जो सोचनीय है। औद्योगिक घरानों के लगभग ७७ हजार करोड़ रुपयों को बट्टे खाते में डाल दिया गया है। इस तरह के विरोधाभासों से गुजर रही है हमारी तथाकथित प्रगति। स्वास्थ्य एवं शिक्षा का व्यवसायीकरण इस हद तक हो गया है कि गरीब या आम आदमी तो दूर अब धनाढ्य वर्ग भी समुचित सेवा पाने में स्वयं को असमर्थ पा रहा है। सरकारी विद्यालयों एवं अस्पतालों की स्थितियों के बारे में जितना भी कम कहा जाय उतना ही श्रेयस्कर है। दुनियाभर में भ्रष्टाचार पर निगाह रखनेवाले गैर सरकारी संगठन ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल की सूची के अनुसार भारत भ्रष्टाचार सूचकांक २०१७ में ४० अंकों के साथ ८१वें स्थान पर था। पिछले साल भी रपट में मात्र ७९वें स्थान पर था। चीन एवं भूटान जैसे देश भारत से उपर हैं। इस प्रकार यह सूचकांक भ्रष्टाचार के संबंध में की गई देश में तरक्की के विषय में हमें बताता है। आर्थिक असंतुलन के पीछे भ्रष्टाचार का बहुत वड़ा हाथ है। लोकपाल एवं लोक आयुक्त नियुक्ति के विषय में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुए हुई है।

ऐसी परिस्थिति में यह कहना कि देश प्रगति पर है, कुछ अटपटा सा लगता है। राजनैतिक स्वतंत्रता के साथ सामाजिक स्वतंत्रता जब तक देश के आम लोगों को मुहैया नहीं होती, इस स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है। इसके लिए हमारे सोच मे आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। प्राथमिकताएँ बदले बिना हमारे प्रगति के पेड़ में लगा हुआ फल आम आदमी के मुँह में नहीं जा सकता। 'समर शेष है' कविता में रामधारी सिंह दिनकर की वाणी को दुहराना चाहूँगा –

समर शेष है इस स्वराज्य को सत्य बनाना होगा
जिसका है यह न्यास, उसे सत्वर पहुंचाना होगा।

सुहाग का पर्व 'गणगौर'

राजस्थान की मिट्टी त्योहारों एवं उत्सवों की महक से सदैव महकती रहती है। फागुन और होली के गीत चुक भी नहीं पाते हैं कि चैत्र माह के शुरु होते ही गांव-गांव में सुहागन महिलाओं और लड़कियों की मीठी आवाज में गणगौर के गीत गूंजने लगाते हैं।

सोलह दिन का उत्सव : गणगौर का त्योहार राजस्थानी महिलाएं निष्ठा और श्रद्धा से मनाती हैं। लड़कियाँ मनोवांछित वर पाने के लिए तथा विवाहित सौभाग्यवती महिलाएं अपने सुहाक की दीर्घायु के लिए गणगौर की पूजा करती हैं। गणगौर शब्द 'गण' महादेव तथा 'गौर' गोरी या पार्वती का प्रतीक है। होलिका दहन के दूसरे दिन से ही यह उत्सव प्रारंभ हो जाता है। सि दिन कुंवारी कन्याएँ तथा विवाहित महिलाएं होली की राख की पीडिंया बनाकर लाती हैं और उन्हें परंपरागत स्थानों पर स्थापित करती हैं। सोलह दिन तक कुमकुम और मेहंदी से दीवार पर स्वास्तिक बनाकर सोलह बिंदियां लगाकर गणगौर की पूजा की जाती है। सोलह दिन बाद गणगौर के दिन शाम में महिलाएं गीत गाती हुई अपने हाथों से बनाये गये ईसर और गौर को किसी नदी या सरोवर में विसर्जित कर देती हैं।

लोकगीत और श्रृंगार की परंपरा : चैत्र प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक कन्याएं और सुहागन औरतें प्रतिदिन सुवह से ही गणगौर पूजा विधि-विधान से आरम्भ कर देती हैं। बाग-बगीचों से लड़कियां फूल और हरी कच्ची दूब चुन कर अपने कलशों में सजाकर समूह में गीत गाती हुई पूजा स्थल की ओर बढ़ती हैं। समस्त पूजा-अर्चना के मंत्र उनके द्वारा गाये जाने वाले गीत ही होते हैं। ग्राम्य जन-जीवन में यह सब कुछ बहुत सुखद और मनोहारी होता है। बालिकाओं के गीतों में सहज अभिलाषा और संस्कृति के पावन दर्शन की सरल परिभाषा झलकती है। गणगौर के त्योहार पर हर बालिका एवं महिला हाथ व पैरों को मेहंदी लगाकर सजाती हैं। औरतें मेहदी लगाते समय अपने 'प्रिय' का नाम भी प्रसन्नता से अपने हाथों पर लिख लेती है। महिलाएं व बालिकाएं इस दिन पारपरिक राजस्तानी परिदान पहनती हैं। आभूषणों से सजी महिलाएं स्वयं गणगौर की भाँति लगती हैं। पूजा से पहले लकड़ी से बने गणगौर का श्रृंगार किया जाता है। पूजा के लिए गेहूं के आटे में हल्दी डाल कर, आटा गूंथकर उससे गणगौर को चढ़ाने के लिए गहने जैसे चूड़ा, बिछिया, रखड़ी, हार नथ, कर्णफूल, पायल आदि बनाये जाते हैं। गणगौर को भोग लगाने के लिए विशेष रूप से धरों में सकरपारे की मिठाई बनाई जाती है। गणगौर का पूजन करते समय औरतें खूब आनंद और उत्साह के साथ गीत गाती हैं।

फिर विदाई : सारे दिन मौज-मस्ती के बात शाम को महिलाएं सिर पर लकड़ी के बाजोट पर ईसर और गणगौर को रखकर गीत हुई ढोल-बाजे के साथ नदी-सरोवर अतवा बाग-बगीचे में गणगौर को पानी पिलाने ले जाती हैं। इस मौके पर राजस्थान की महिलाएं लोकप्रिय धूमर नृत्य अवश्य करती हैं। गणगौर को पानी पिलाने के लिए साड़ी के पल्लू में सोने की अंगूठी पिरोकर फिर जलाशय से पानी हाथ में लेकर घाट पर विराजमान गणगौर की प्रतिमा को स्त्रियां पानी पिलाती हैं। गणगौर का अध्यापन भी किया जाता है, जिसमें १६ महिलाओं को भोजन कराया जाता है। भोजन के पश्चात् उन्हें कुछ दान भी करने का प्रचलन है। सोलहवें दिन महिलाएं गणगौर को नदी तालाब में विसर्जित करती है।

महलों में गणगौर : मेवाड़ अंचल के उदयपुर में गणगौर की सवारी का आकर्षम कुछ अलग ही होता है। इस अवसर पर राजस्थान के पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से दो-दिवसीय 'मेवाड़ उत्सव' भी मनाया जाता है। शहर में विभिन्न समाजों की महिलाएं पारम्परिक वेशभूषा में सज-संवर कर गणगौर की प्रतिमाएं सिर पर लिए शोभायात्रा निकालती हैं। यह शोभायात्रा जगदीश मंदिर से होती पीछोला झील के किनारे 'गणगौर घाट' पर पहुंचती है। घाट पर सभी समाजी की पंक्तिबद्ध गणगौर प्रतिभाओं को जल कुसुमा देकर आरती की जाती है। सि दौरान घाट पर बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहती हैं और वातावरण में उनके द्वारा गाये जाने वाले गीत-संगीत की स्वर लहरिया गूंजती रहती हैं। साम को लेक-पैलेस से राजमहलों की गणगौर को विशेष रुप से सुसज्जित कर नाव में सवार कर गणगौर घाट के लिए रवाना किया जाता है। गणगौर की शाही सवारी वाली नाव के साथ तीन-चार अन्य छोटी नावें चलती हैं जिनमें लोक कलाकार नृत्य-संगीत करते चलते हैं। गाट पर गणगौर की पूजा-अर्चना के पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आतिशबाजी का भी आयोजन होता है। इस मौके पर उदयपुर वासियों के अलावा बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी भी मौजूद रहते हैं। जयपुर सहित कई अन्य शहरों की गणगौर की पूजा बहुत प्रसिद्ध है। गणगौर के समय बाजार में भी बहुत रौनक रहती है। **('जागृति' से साभार)**

माँ शारदा की प्रार्थना

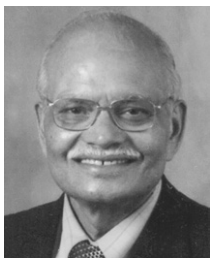

– डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया

हे माँ शारदा! तुम ज्ञान का अवतार हो,
मनीषा का अवतार हो,
प्रज्ञा का अवतार हो,
बुद्धि का अवतार हो,
अतः प्रज्ञा और विवेक का अवतार हो,
अच्छाई और बुराई में विभेद का अवतार हो,
कला, संगीत और संस्कृति का अवतार हो,
सम्पूर्ण देवियों का अवतार हो,
महान वेदान्त के सारांश का अवतार हो,
हंस की भांति नीर-क्षीर विवेकवान
तुम पूर्णता का अवतार हो।

श्वेत कमल-आसीन,
श्वेत वस्त्रधारिणी,
एक हाथ में थामे वीणा,
दूसरे में श्वेत सुमरिनी,
वीणा वादन से प्रेम, शान्ति
और सौहार्द का सन्देश देती
अहंकार विनाशिनी
ब्रह्मा, विष्णु, महेश, देवाधिगण
करते जिसका वंदन
माँ! दिव्या प्रभा से जगमगाती,
वरदानदात्री,
माँ! अपनी ममता से हमें
पूर्णता की ओर बढ़ाओ,
माँ! अपने बालकों से अपना
गरिमामय मुख न छिपाओ,
माँ वीणापाणि हम तुम्हारा मनन करते,
निरन्तर तुम्हारा ध्यान धरते,
माँ! अहं से हमें मुक्ति दो,
माँ! हमें ज्ञान, प्रज्ञा, विवेक बुद्धि दो।
आशीष दो कि अंतर्मन का स्वर सुन पाएँ,
हम बालक तुम्हारे चरण कमलों पर
शीश झुकाते हैं बारम्बार।

(हिन्दी अनुवादः पद्मश्री डॉ. रवीन्द्र कुमार)

मन की बात - मन से

– प्रेमलता खंडेलवाल

गैरों से शिकवा क्या करें,
हमें तो अपनों ने लूटा है!

चहुं ओर लगी आग
लगेगी अपने ही दामन पे
सोचा न था.....

कांटों से शिकवा क्या करें,
हमने तो फूलों से
जख्म खाए हैं!

जीवन बीता इकतरफा
परमार्थ में,
खुद में खुदा की खुदाई
जो थी!

न कोई मेरा था – मैं करती
रही मेरा-मेरा,
भ्रम मिटा, चेतना जागी,
शून्य में ढूंढती हूं स्थिरता!

क्या खोया, क्या पाया
सोचती हूं,
रिक्त हूं, रिक्त थी, रिक्त
ही रहूंगी!

मानस पटल पर लिखती–
मिटाती रही,
अब लिखा रह गया –
राम नाम!

दर्द भी तू – चैन भी तू
दरश भी तू – नैन भी तू
तू ही तू – तू ही तू

मिल जाऊं तुझमें – ज्यों
नमक मिले सागर में,
मैं, मैं न रहूं – रहे तो सिर्फ
तू ही तू – तू ही तू!

जीवन रंगमंच – अभिनय
में अभिनय,
परम तत्व की प्राप्ति –
एक स्वप्न!

श्वांस-श्वांस में हरिनाम हो –
अनहद नाद बजे,
मिलन हो 'आत्मा-परमात्मा'
का – तब कोई बात बने!

www.anmolindustries.com | Follow us on:

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री अमर बंसल रायपुर के एथेना स्कूल में गेस्ट स्पीकर के रूप में व्याख्यान देते हुए। श्री बंसल, जो स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड अम्बासडर भी हैं, ने बच्चों को अभियान के विभिन्न पहलुओं के विषय में बताया और उन्हें जागरूक किया।

साहित्य भूषण से सम्मानित हुए डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी

लब्धप्रतिष्ठित साहित्यकार एवं श्री बड़ाबाजार कुमार सभा पुस्तकालय के अध्यक्ष **डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी** को गत २२ जनवरी २०१८ को लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर उ. प्र. हिन्दी संस्थान द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'साहित्य भूषण' से सम्मानित किया गया**। डॉ. त्रिपाठी को यह सम्मान उनकी दीर्घकालीन विशिष्ट साहित्य रचना एवं हिन्दी सेवा के लिए प्रदान किया गया। सम्मानस्वरूप उन्हें एक ताम्रपत्र एवं २ लाख रुपये का ड्राफ्ट भेंट किया गया।

राँची सम्मेलन ने मनाया गणतंत्र दिवस

राँची ज़िला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रवि शर्मा ने गणतंत्र दिवस २०१८ के अवसर पर स्थानीय परम मैत्री सदन में झंडोत्तोलन किया। समारोह में पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया, राँची सम्मेलन के महामंत्री श्री मनोज बजाज, सर्वश्री प्रमोद सारस्वत, आनंद गोयल, अन्नू पोद्दार व मैत्री सदन के प्रबंधक उपस्थित थे। मानसिक रोग से पीड़ित रोगी जो स्वस्थ हो गये हैं, साथ ही काफी शिक्षित भी है उनके बीच गणतंत्र दिवस पर झंडोतोलन कर देश के वीर सपूतो को नमन किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह (पृष्ठ ९ का शेष)

श्री बिश्वनाथ केडिया ने वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों पर इन पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त किए :

बड़ी जलन है इस ज्वाला में, जलना कोई खेल नहीं है,
इधर देखता हूँ करूणा से मानवता का मेल नहीं है।
तन की प्यास बंधुशोणित से, आज बुझाई यहाँ जा रही,
ऐ मेरे भगवान बता दो, दुनिया अब ये किधर जा रही।

पश्चिम बंग प्रादेशिक सम्मेलन के महामंत्री **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**, सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, **श्री ओम लड़िया** एवं **श्री प्रमोद गोयनका** ने भी अपने विचार संक्षेप में व्यक्त किए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए कहा कि सम्मेलन एक वैचारिक संस्था है। विचार या सोच एक बीज का काम करते हैं। जैसे एक बीज में वृक्ष छुपा होता है, उसी प्रकार सोच से ही सृष्टि होती है। आज की बैठक में अमीरी-गरीबी के बीच की खाई को पाटने की बात हुई, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस सोच के साथ और इस पर संगठित-संकल्पित होकर कार्य करने से हम नयी ऊँचाइयाँ छू सकते हैं। श्री लोहिया ने सम्मेलन के संगठन-विस्तार से सम्बंधित विवरण भी प्रस्तुत किया।

बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी, सर्वश्री पवन जालान, रामनिवास शर्मा 'चोटिया', सुरेश अग्रवाल, शिव कुमार बागला, संजय गोयनका, संदीप सेक्सरिया, गोविन्द प्रसाद केजरीवाल, प्रेमचंद सुरेलिया, रमेश कुमार बूवना, बी.डी. अग्रवाल, संतोष हरलालका, दिनेश जैन गंगवाल, सुशील अग्रवाल, गिरधारी लाल गोयनका, अजीत सहेवाल** आदि उपस्थित थे।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री महेन्द्र कुमार मोरे मे. गोयल हार्डवेयर बोकारो, झारखंड	**श्री प्रेम कुमार मोरे** पेटरवार बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री पिताम्बर लाल अग्रवाल** गारमेन्ट शॉप, पेटरवार बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री सुरेन्द्र कुमार बुधिया** मे. श्याम सुन्दर बुधिया बोकारो, झारखंड	**श्री शशि कान्त सिंगला** ग्राम - कुकैया बोकारो, झारखंड
श्री सुरज कुमार तुलस्यान द्वारा - ओम क्लाथ स्टोर बोकारो, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** पेटरवार बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री सुशील कुमार गर्ग** पेटरवार, बोकारो झारखंड	**श्री सज्जन कुमार चोखानी** बागला महिला कालेज के नजदीक, देवघर, झारखंड	**श्री बजरंग लाल बथवाल** मे. श्री निरंजन राईस मिल देवघर, झारखंड
श्री बिमल कुमार अग्रवाल मे. जुपिटर ट्रेडिंग कं. देवघर, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. माही डायग्नोस्टिक सेन्टर, देवघर, झारखंड	**श्री अशोक कुमार सरावगी** लक्ष्मी बाजार देवघर, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार बाजला** मे. बाजला सेल्स कार्पोरेशन देवघर, झारखंड	**श्री अशोक मोदी** मे. मदन इंटरप्राइजेज देवघर, झारखंड
श्री प्रमोद कुमार छावछरिया मे. भारत सेल्स कार्पोरेशन देवघर, झारखंड	**श्री महाबीर प्रसाद शर्मा** मे. श्री मोहन एजेन्सी देवघर, झारखंड	**श्री अशोक शर्मा** सी.एल. विल्ला बोमपास टोवान, देवघर, झारखंड	**श्री अश्विनी कुमार अग्रवाल** मे. गोपाल प्रेस, मेन रोड, राँची, झारखंड	**श्रीमती अंकिता पोद्दार** द्वारा - दिनेश कुमार पोद्दार झंडा चौक, रामगढ़, झारखंड
श्री राजेश कुमार अग्रवाल कैलाश भवन, श्याम चौक, राँची, झारखंड	**श्रीमती रीना अग्रवाल** कैलाश भवन, श्याम चौक, राँची, झारखंड	**श्री वत्सल पोद्दार** मे. वत्सल हुंडाई रामगढ़ कैन्ट, झारखंड	**श्री विवेक पोद्दार** मे. वत्सल हुंडाई, रामगढ़ कैन्ट, झारखंड	**श्री श्याम टोरका** मे. कैलाश अपार्टमेन्ट राँची, झारखंड
श्री पवन कुमार अग्रवाल ३, हजारीमल साह रोड सल्किया, हवड़ा	**श्री मधुसूदन शर्मा** डालफिन टावर - II रिसड़ा, हूगली, प. बं.	**श्री सुशील कुमार सरावगी** श्रीजन हेरिटेज इंक्लेव ३४५, राजरहाट मेन रोड कोलकाता	**श्री हरजी कुमार वर्मा सी.ए.** मे. लोढ़ा एण्ड कं. चा. अ. १४, गर्वमेंट प्लेस ईस्ट कोलकाता	**श्री चन्द्र प्रकाश पारीक** मे. एश्वर्या साड़ी १८२, जमुनालाल बजाज स्ट्रीट, कोलकाता
श्री संजय सोनी मे. श्री बालाजी जेम्स ८९/३१९, बाँगूड़ पार्क रिसड़ा, हूगली, पं.ब.	**श्री दीपक कुमार मोदी** ४१/३, नेताजी सुभाष रोड रिसड़ा, हूगली	**श्री गुलाब चंद सोनी** ११, बाईसेक स्ट्रीट कोठारी पार्क, कोलकाता	**श्री राम खण्डेलवाल** मे. तनय ट्रेडर्स हूगली. प. ब.	**डॉ. रमेश कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल क्लीनिक रिसड़ा, हूगली
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल द्वारा - अग्रवाल महेश एण्ड कं., ब्रिटीश इंडियन स्ट्रीट कोलकाता	**श्री गोवर्धन प्रसाद भाला** मे. भालाज, अपर बाजार राँची, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार सिंघानियाँ** मे. श्री बालाजी, आजाद चौक, देवघर, झारखंड	**श्री कमलेश तुलस्यान** एस. वी. राय रोड, वैद्यनाथ देवघर, झारखंड	**श्रीमती स्नेहा बजाज** श्री राम गार्डेंस, कांके रोड, राँची, झारखंड
श्रीमती संगीता बजाज श्री राम गार्डेंस, कांके रोड, राँची, झारखंड	**श्री महेश देबूका** मे. श्री फर्निचर, पुरूलिया रोड, मैंगो, झारखंड	**श्री अनिस खीरवाल** मे. ट्रेवल लाईन, १०, डायगनल रोड, झारखंड	**श्री मंटु अग्रवाल** राम लखन अग्रवाल, नया बाजार जुगसलाई, झारखंड	**श्री बिमल गुप्ता** मे. के. के. फर्मा जुगसलाई, झारखंड
श्री विनोद कुमार गोयल मे. रामगोपाल रामजीलाल जुगसलाई, जमशेदपूर, झारखंड	**श्री महेश गोयल** मे. उमंग ट्रेडिंग कं. जुगसलाई, झारखंड	**श्री अशोक कुमार भालोटिया** मे. भालोटिया ऑटो प्रो. प्रा. लि. विष्टुपूर, झारखंड	**श्री राज कुमार संघी** मे. संघी इवेस्टमेंट्स १२/५००, न्यु कालीमाटी रोड, झारखंड	**श्री विमल कुमार गुप्ता** नं.-९, फ्रैन्डस इंक्लेव जमशेदपूर, झारखंड
श्री शंकरलाल भारूका मे. नारायण ट्रेडिंग कं. जुगसलाई, झारखंड	**श्री रामेश्वर लाल भालोटिया** मे. अशोक एण्ड कं. जमशेदपूर, झारखंड	**श्री विष्णु कुमार अग्रवाल** ५७४, ब्लाक-बी, सोनाली झारखंड	**श्री अरुण कुमार गुप्ता** ८, डायगनल रोड बिष्टुपूर, झारखंड	**श्री महेश संघी** मे. मित्तल फर्निशिंग, बिष्टुपूर जमशेदपुर, झारखंड
श्री किशोर गोलचा गोलचा हाउस, गोसाला चौक, जुगसलाई, जमशेदपूर, झारखंड	**श्री रामावतार जी अग्रवाल** १०, गोलमुरी बाजार जमशेदपूर, झारखंड	**श्री दीपक पारिक** सी/३००, ब्लाक-बी, सोनारी जमशेदपूर, झारखंड	**पं. श्री बिमल कुमार शर्मा** रामपथ गोविन्द नगर कदंमा, जमशेदपूर, झारखंड	**श्री सत्यनारायण अग्रवाल** मे. रतन मेडिकल स्टोर बिष्टुपूर, जमशेदपूर झारखंड
श्रीमती रानी अग्रवाल चंद्रबली उद्यान साकची, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. ग्लोबल टाईल्स साकची, झारखंड	**श्री अशोक कुमार मोदी** बेस्ट सिंहभूम कदंमा, झारखंड	**श्री श्रवण कुमार खोवाला** अमला टोला, चाईबासा, वेस्ट सिंहभूम, झारखंड	**श्री रमेश खीरवाल** कपड़ा पट्टी, सदर बाजार मेन रोड, चाईबासा झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री अशोक कुमार विजयवर्गीया निमडीह, न्यु कालोनी चाईबासा, झारखंड	**श्री अशोक नेवटिया** मे. न्यु नेवटिया टी. राजवाड़ी गली, चाईबासा झारखंड	**श्री धीरज अग्रवाल** मे. मूलचंद अग्रवाल, टाटा रोड, चाईबासा, झारखंड	**श्री अजय बजाज** सुरबी, बजाज मार्केट चाईबासा, झारखंड	**श्री रूपेष अग्रवाल** मे. प्रियंका प्रिंटर्स चाईबासा, झारखंड
श्री अनिल कुमार अग्रवाल मधू बाजार चाईबासा, झारखंड	**श्री अमित मित्तल** मे. नीलम साड़ी इम्पोरियम सदर बाजार, चाईबासा झारखंड	**श्री रविन्द्र बागड़ी** टुंगड़ी, चाईबासा झारखंड	**श्री अभिषेक दोदराजका** बड़ा नीमडीह, चाईबासा वेस्ट सिंहभूम, झारखंड	**श्री मधूसूदन अग्रवाल** मे. परमानंद मक्खनलाल नीमडीह, चाईबासा, झारखंड
श्री श्याम गोयनका द्वारा-श्री श्याम इंटर- प्राईजेज, सदर बाजार, चाईबासा, झारखंड	**श्री नरेश अग्रवाल** एच. पी. पेट्रोल पम्प चाईबासा, झारखंड	**श्री अनिल मुरारका** मे. अनमोल सेनिटरी, टुंगड़ी चाईबासा, झारखंड	**श्री मनोज कुमार शर्मा** टाटा रोड, चाईबासा झारखंड	**श्री पवन कुमार गर्ग** मे. पी. के. एजेन्सी, सदर बाजार, चाईबासा, झारखंड
श्री इंद्र प्रकाश पंसारी सोनार पट्टी, सदर बाजार चाईबासा, झारखंड	**श्री मनोज जोशी** अमला टोला चाईबासा, झारखंड	**श्री नरेश अग्रवाल (मित्तल)** मे. वस्त्र वाटिका चाईबासा, झारखंड	**श्री सुशील कुमार रूँगटा** अमला टोला चाईबासा, झारखंड	**श्री नारायण पाडीया** कोर्ट रोड चाईबासा, झारखंड
श्री अशोक कुमार जोशी सदर बाजार चाईबासा, झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** बड़ा नीमडीह चाईबासा, झारखंड	**श्री महेन्द्र विजयवर्गी (राजू)** नीमडीह, न्यु कालोनी चाईबासा, झारखंड	**श्री संजय दोदराजका** मे. डायमण्ड ग्लास एण्ड हार्डवेयर, चाईबासा, झारखंड	**श्री शीबू लाल अग्रवाल** मे. अंशु एजेन्सी, गांधी टोला, चाईबासा, झारखंड
श्री विष्णु कुमार अग्रवाल कोर्ट रोड, घंटाघर के नजदीक, चाईबासा, झारखंड	**श्री गिरधारी खीरवाल** चक्रधरपूर, चाईबासा झारखंड	**श्री बनवारी लाल अग्रवाल** मे. परिवार सेल्स चक्रधरपूर, झारखंड	**श्री श्रवण केजरीवाल** मे. स्वास्तिक हार्डवेयर चक्रधरपूर, झारखंड	**श्री सतीश कुमार अग्रवाल** मे. श्री गणनायक मेडिकल चक्रधरपूर, झारखंड
श्री राजा राम खीरवाल मे. विनोद जर्दावाला चक्रधरपूर, झारखंड	**श्री आनंद शर्मा** मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड	**श्री साकेत रूँगटा** रूँगटा चेम्बर्स चाईबासा, झारखंड	**श्री मनीष मुँदड़ा** रूँगटा हाउस, चाईबासा झारखंड	**श्री तरूण शर्मा** मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड
श्री गिरधारी लाल पारीक रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री मुकेश शर्मा** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री राजेश कुमार मोदी** मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड	**श्री विजय कुमार अग्रवाल** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री दिनेश चौमल** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड
श्री प्रमोद खेतान रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री देवाशीष अग्रवाल** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री सांवरमल अग्रवाल** मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड	**श्री अलोक रूँगटा** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड
श्री देवेन्द्र कुमार जैन मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड	**श्री मनोज कुमार केडिया** मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड	**श्री गौरीशंकर चिरानियाँ** विश्वकर्मा मार्केट चाईबासा, झारखंड	**श्री संदीप कुमार कानोड़िया** मे. कानोड़िया ब्रदर्स चण्डवा, लातेहार, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल मे. मनोज इ्रसेज चण्डवा, लतेहार, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. रूँगटा माईन्स लि. चाईबासा, झारखंड	**श्री रितेश कुमार शर्मा** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री यशवंत सिंघल** रूँगटा भवन चाईबासा, झारखंड	**श्री अरूण कुमार शर्मा** बुद्ध बाजार, चण्डवा लातेहार, झारखंड
श्री बिनोद कुमार मेन रोड, चण्डवा लातेहार, झारखंड	**श्री ईश्वर दयाल अग्रवाल** मे. अग्रवाल स्टोर चण्डवा, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार सावरियाँ** मे. बिनोद क्लाथ स्टोर चण्डवा, लातेहार, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार मित्तल** मे. हिन्दुस्तान साईकल एण्ड इलेक्ट्रोनिकस, चण्डवा, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. बालाजी हार्डवेयर चण्डवा, लातेहार, झारखंड
श्री अनूप कुमार अग्रवाल द्वारा- बनवारी लाल अग्रवाल चण्डवा, झारखंड	**श्री शशि कान्त गिनोड़ीया** मे. अरूण ऑटो मोबाइल्स राँची रोड, झारखंड	**श्री महेन्द्र कुमार जैन** मकटपूर रोड, गिरीडीह झारखंड	**श्री शैलेष कुमार जैन** मकटपूर रोड गिरीडीह, झारखंड	**श्री गोपाल कुमार बगड़ीया** काठगोला रोड गिरीडीह, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री प्रवीण कुमार बगड़ीया मे. प्रवीण इंटरप्राईजेज गिरीडीह, झारखंड	**श्री हरि नारायण बगड़ीया** बगड़ीया हाउस गिरीडीह, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार जालान** नारायण निवास गिरीडीह, झारखंड	**श्री अजय अग्रवाल** मे. श्याम सुन्दर अजय कुमार रामगढ़कैन्ट, झारखंड	**श्री इंद्र अग्रवाल** मे. बनवारी लाल महावीर प्रसाद, रामगढ़, झारखंड
श्री मुकेश अग्रवाल मे. स्वास्तिक इंटरप्राइजेज रामगढ़ कैन्ट, झारखंड	**श्री प्रवीन कुमार सिंघानियाँ** मे. श्री बालाजी देवघर, झारखंड	**श्री कमलेश तुलस्यान** एस.बी. रोड, वैद्यनाथ देवघर, झारखंड	**श्री सुनिल कुमार अग्रवाल** झौसागढ़ी, देवघर झारखंड	**श्री विनय कुमार माहेश्वरी** गोस्टो विरूटी लेन देवघर, झारखंड
श्री दीपेश कुमार निराला द्वारा - विशंची नारायण बोकारो, राँची, झारखंड	**श्री सुभाष कुमार अग्रवाल** मे. संगम वस्त्रालय झरिया, झारखंड	**श्रीमती राखी अग्रवाल** सावित्री अपार्टमेंट धनबाद, झारखंड	**श्री मुरलीधर प्रसाद रितोलिया** मे. ऑटो प्वांईट धनबाद, झारखंड	**श्री प्रभाष कुमार अग्रवाल** श्यामजी प्लेस, प्रथम तल धनबाद, झारखंड
श्री अनिल कुमार अग्रवाल मे. अनिल ट्रेडर्स धनबाद, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. माँ तारा भण्डार धनबाद, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल (गोयल)** मे. बालाजी ड्रेस कलेक्शन बर्मो, बोकारो, झारखंड	**श्री ललित कुमार अग्रवाल** मे. नागरमल अग्रवाल फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** नया रोड, फुसरो, बोकारो झारखंड
श्री ललित शर्मा अमला टोला चाईबासा, झारखंड	**श्री श्रवण कुमार जालान** मे. दयाल टिम्बर बर्क्स एण्ड प्लाईवूड सेन्टर, राँची झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** महावीर वाटिका, चास बोकारो, झारखंड	**श्री श्याम सुन्दर जैन** होटॅल नीलकमल बोकारो, झारखंड	**श्री जय प्रकाश तपाड़ीयाँ** मे. माहेश्वरी ब्रदर्स बोकारो, झारखंड
श्री श्याम सुन्दर खण्डेलवाल मे. राम गोपाल श्याम सुन्दर धनवाद, झारखंड	**श्री जगदीश कुमार संघाई** श्रीराम अपार्टमेन्ट, राँची पटना रोड, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश खेतान** आनंद बिहार झुमरी तलैया, झारखंड	**श्री मनोज केडिया** आई. एम. एस. रोड झुमरी तलैया, झारखंड	**श्री प्रदीप कुमार केडिया** आई. एम. एस. (श्याम बाबा पथ), झुमरी तलैया, झारखंड
श्री सुनील अग्रवाल आई.एम.एस. रोड, (श्याम बाबा पथ) झुमरी तलैया, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार भालोटिया** द्वारा - भालोटिया मैनुफै.कं. झुमरी तलैया, झारखंड	**श्री दीपक रूँगटा** ६०३, पंचवटी टावर राँची, झारखंड	**श्री मनीष कुमार पिरोज़ीवाला** मे. सत्य नारायण नंद किशोर सदर बाजार, चाईबासा झारखंड	**श्री बिनोद कुमार बैद्य** रूपचंद रायचंद भागलपूर, बिहार
श्री टिकम चंद बैतल रूपचंद रायचंद भागलपूर, बिहार	**श्री अभिषेक गाड़ोदिया** सी/४१०, शांति विहार अपार्टमेन्ट, फ्रेजर रोड, बिहार	**श्री सुरेश कोटरीवाला** मे. अम्ब एजेन्सी भागलपूर, बिहार	**श्री निर्मल कुमार सिंघानियाँ** अपर रोड, सुल्तान गंज भागलपूर, बिहार	**श्री बिनोद कुमार मुरारका** दुर्गा मंदीर के सामने भागलपूर, बिहार
श्री अरूण कुमार सिंघानियाँ अपर रोड, सुल्तानगंज भागलपूर, बिहार	**डॉ. शिव कुमार महनसरियाँ** मे. सेवा क्लिनिक, सुल्तान- गंज, भागलपूर, बिहार	**श्री पवन कुमार केसान** मे. केसान मार्बल, सुल्तान- गंज, भागलपूर, बिहार	**श्री नवीन कुमार रामुका** बिन्दा सिंह गली भागलपूर, बिहार	**श्री अजीत जैन** द्वारा-जैन इलेक्ट्रीक, के.बी. लाल रोड, भागलपूर, बिहार
श्री ओम प्रकाश सराफ द्वारा-माक्खन भोग स्वीट् कार्नर, मधेपूरा, बिहार	**श्री बिकास सराफ** द्वारा- विन्दल एजेन्सी, जीवन सदन रोड, मधेपूरा, बिहार	**श्री बिनित कुमार सुल्तानियाँ** द्वारा - चंदन रेडिमेड मधेपूरा, बिहार	**श्री राज कुमार भरतिया** मे. राज कुमार अरविन्द कुमार, त्रिवेणीगंज,सुपौल, बिहार	**श्री सुनील कुमार जगनानी** पो. जदीया सुपौल बिहार
श्री कन्हैया कुमार मे. बंशीधर वस्त्रालय पो. जदीया, सुपौल, बिहार	**श्री कमल सिंह सुराना** मे. कमल एण्ड कं. पो. जदीया, सुपौल, बिहार	**श्री अतुल अग्रवाल** मे. अग्रवाल डिपार्टमेन्टल स्टोर जदीया, सुपौल, बिहार	**श्री सुरेश प्रसाद साह** मे. पप्पु मेडिकोज जदीया, सुपौल, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** मे. प्रमोद वस्त्रालय जदीया, सुपौल, बिहार
श्री गोपी कृष्ण अग्रवाल मे. कृष्णा वस्त्रालय जदीया, सुपौल, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** मे. माँ गायत्री जदीया, सुपौल, बिहार	**श्री निखील कुमार अग्रवाल** ८, ऑरफिट माल ए.एन. कालेज के सामने पटना, बिहार	**डॉ. गौतम मोदी** मे. मोदी एजेन्सी क्लीनिक एण्ड नर्सिंग होम पटना, बिहार	**श्री नारायण कुमार खेतान** मे. नवीन स्टोर न्यू मार्केट भागलपूर, बिहार
श्री कौशल कुमार खेतान सुरजमल श्याम सुन्दर भागलपूर, बिहार	**श्री शरद कुमार सलारपुरिया** मे. संचारिका भागलपूर, बिहार	**श्री राकेश वर्मा** मे. हरिओम लक्ष्मी नारायण भागलपूर, बिहार	**श्री हरिओम वर्मा** मे. हरिओम लक्ष्मी नारायण भागलपूर, बिहार	**श्री लक्ष्मी नारायण वर्मा** मे. हरिओम लक्ष्मी नारायण भागलपूर, बिहार

LUX® VENUS™

INNERWEAR

ये अन्दर की बात है!

- महानायक की पहली पसन्द
- 100% कॉटन से बना
- न ढीला पड़े... न जल्दी फटे
- हमेशा रहे फ़िट्टम फ़िट

From the house of LUX | An ISO 9001:2015 Certified Company | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE | THE ADMIRED BRAND OF INDIA 2015 | THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC | THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015 | ASIA'S GREATEST BRAND 2016

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 27th February 2018
RNI Regd. No. 2866/68

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com